भगवा रंग चढ़ा है ऐसा और रंग ना भाएगा लिरिक्स

भगवा रंग चढ़ा है ऐसा,
और रंग ना भाएगा,
जय श्री राम के नाम का नारा,
घर घर से अब आएगा,
अयोध्या की नगरी में अब,
केसरिया लहराएगा,
केसरिया केसरिया म्हारो,
केसरिया केसरिया।bd।

मात्र भूमि के कण कण पर अब,
राम नाम लिखा जाएगा,
भारत माता हर्ष रही है,
श्री राम घर आएगा,
अयोध्या की नगरी में अब,
केसरिया लहराएगा,
केसरिया केसरिया म्हारो,
केसरिया केसरिया।bd।

हनुमत को रंग ऐसा चढ़ा है,
राम नाम गुण गाएगा श्री,
राम की जन्मभूमि पर,
स्वर्ण मंदिर बन जाएगा,
अयोध्या की नगरी में अब,
केसरिया लहराएगा,
केसरिया केसरिया म्हारो,
केसरिया केसरिया।bd।

दासमोहन श्री राम की,
माला जपते ही आएगा,
विजय राव ओर सुनीता को,
भगवा रंग चढ़ जाएगा,
अयोध्या की नगरी में अब,
केसरिया लहराएगा,
केसरिया केसरिया म्हारो,
केसरिया केसरिया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भगवा रंग चढ़ा है ऐसा,
और रंग ना भाएगा,
जय श्री राम के नाम का नारा,
घर घर से अब आएगा,
अयोध्या की नगरी में अब,
केसरिया लहराएगा,
केसरिया केसरिया म्हारो,
केसरिया केसरिया।bd।

गायक – विजय राव / सुनीता बाग़री।
लेखक – दासमोहन अलिसिखा।
संगीत- रेमो।
9941270001

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com